

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 23, भाग 3

2 राजा 11-13, भाग 3

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

हेज़ल और यहोआहाज, अध्याय 12 की आयत 17. लगभग इसी समय, अराम के राजा हेज़ल ने गत पर आक्रमण किया और उसे अपने कब्ज़े में ले लिया। फिर उसने यरूशलेम पर आक्रमण करने के लिए मुड़कर देखा।

लेकिन यहूदा के राजा योआश ने अपने पूर्ववर्तियों, यहूदा के राजाओं, योशापात, योराम और अहज्याह द्वारा समर्पित सभी पवित्र वस्तुओं और अपने द्वारा समर्पित उपहारों और यहोवा के मंदिर और राजमहल के भण्डारों में पाया गया सारा सोना लेकर अराम के राजा हेज़ल के पास भेज दिया, जो तब यरूशलेम से वापस चला गया। इसमें क्या विडंबना है? अभी क्या हुआ है? हम अभी किस बारे में बात कर रहे थे? मंदिर और मंदिर के जीर्णोद्धार और पुनः सजावट के लिए खर्च किया गया सारा पैसा। और यहाँ यह हेज़ल के पास जाता है।

वाह। अब, क्या हुआ? किंग्स ने केवल इसका संकेत दिया है। और यह संकेत अध्याय की शुरुआत में ही था।

जब तक यहोयादा ने उसे निर्देश दिया, उसने वही किया जो यहोवा की नज़र में सही था। 2 इतिहास, अध्याय 24 पर जाएँ। मेरे पास इसका आसान जवाब नहीं है कि इसे राजाओं में क्यों शामिल नहीं किया गया है।

मेरे पास जवाब है, लेकिन यह आसान नहीं है। श्लोक 17, यहोयादा की मृत्यु के बाद, यहूदा के अधिकारी आए और राजा को श्रद्धांजलि दी, और उसने उनकी बात सुनी। हे भगवान।

हे भगवान। इतने कम शब्द और इतने घातक निहितार्थ। उन्होंने क्या किया? श्रद्धांजलि देने का क्या मतलब है? शायद किसी और को।

हाँ। पूजा करने के लिए। हमारे पास यहाँ कुछ अन्य अनुवाद हैं।

झुक गया। वे क्या कर रहे थे? वे उसकी चापलूसी कर रहे थे। बिल्कुल।

ओह, आप हमारे अब तक के सबसे अच्छे राजा हैं। आप बहुत वफ़ादार रहे हैं। आप हम सबके साथ बहुत न्यायपूर्ण रहे हैं।

ओह, हम तो बस यही सोचते हैं कि आप अद्भुत हैं। और उसने क्या किया? इसमें क्या लिखा है? उसने उनकी बात सुनी। हे भगवान।

मैं अपने लिए यही कहता हूँ कि मैं आपकी प्रेस विज्ञप्तियों पर कभी विश्वास नहीं करूँगा। उसने उनकी बातें सुनीं। अब, उसने ऐसा क्यों किया? मैं आपसे पूछता हूँ।

आप कहते हैं, क्या बाइबल हमें बताती है? नहीं, यह नहीं बताती। लेकिन आप सभी परिपक्व लोग हैं। उसने ऐसा क्यों किया? उसे यह पसंद आया।

उसे यह पसंद आया। हम सभी को चाटुकारिता पसंद है। तो, इसके खिलाफ़ बचाव क्या है? अच्छा।

अपनी पहचान ईश्वर से प्राप्त करें, किसी और से नहीं। हाँ, आप स्वर्ग के राजकुमार की मृत्यु के लायक हैं। अगर यह इसके लायक नहीं है, तो मुझे नहीं पता कि क्या है।

और क्या? यह सकारात्मक पक्ष है। नकारात्मक पक्ष के बारे में क्या ख्याल है? ठीक है, उसके पास कभी भी दृढ़ विश्वास नहीं था। हाँ, उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि दबाव में होने से उसे खुशी मिलती थी।

हाँ, हाँ, हाँ। मुझे लगता है कि दूसरी तरफ़, आईने में एक लंबी नज़र डालना और कहना है, मैं वह आदमी हूँ जिसने यीशु को सूली पर चढ़ाया। मैं वह महिला हूँ जिसने यीशु को सूली पर चढ़ाया।

ओह, आप अद्भुत हैं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। लेकिन मैं जानता हूँ कि मैं कौन हूँ।

मुझे पता है कि मैं क्या करने में सक्षम हूँ। उसने मेरी बात सुनी। तो, हम आगे बढ़ते हैं।

हमारे पास यहाँ समय नहीं है। हमारा समय खत्म हो रहा है। लेकिन अब, मैंने देखा कि यह उन्हें कहता है।

यह नहीं कहा गया है कि योआश ने ऐसा किया। उन्होंने यहोवा के मंदिर को त्याग दिया, जो उनके पूर्वजों का परमेश्वर था, जिस पर उन्होंने इतना सारा पैसा लगाया था - अशेरा के खंभों और मूर्तियों की पूजा की।

उनके अपराध के कारण, परमेश्वर का क्रोध यहूदा और यरूशलेम पर आया। यद्यपि परमेश्वर ने लोगों को वापस अपने पास लाने के लिए उनके पास भविष्यद्वक्ता भेजे, यद्यपि उन्होंने उनके विरुद्ध गवाही दी, परन्तु उन्होंने उनकी एक न सुनी। तब परमेश्वर की आत्मा यहोयादा याजक के पुत्र जकर्याह पर उतरी।

वह लोगों के सामने खड़ा हुआ और बोला, "यही परमेश्वर कहता है। तुम प्रभु की आज्ञाओं का उल्लंघन क्यों करते हो? तुम सफल नहीं होगे क्योंकि तुमने प्रभु को त्याग दिया है। उसने तुम्हें त्याग दिया है।"

परन्तु उन्होंने उसके विरुद्ध षड्यन्त्र रचा। और राजा की आज्ञा से यहोवा के भवन के आंगन में उसे पत्थरवाह करके मार डाला। राजा योआश ने हेसेद को स्मरण न रखा।

जकर्याह के पिता, यहोयादा ने उसे दिखाया था लेकिन अपने बेटे को मार डाला, जिसने मरते समय कहा, प्रभु यह देखे और तुम्हें जवाबदेह ठहराए। जहाँ तक बाइबल का सवाल है, जकर्याह आखिरी नबी है जिसे मारा गया। इसलिए, हमारे पास यीशु कहते हैं, ठीक है, यीशु अंग्रेजी जानते थे, लेकिन वे अंग्रेजी नहीं बोलते थे।

हाबिल से लेकर जकर्याह तक के नबियों का खून तुम्हारे ऊपर है। A से Z तक? वैसे, नहीं, नहीं, वह नहीं है, कि जकर्याह काफी बाद में आता है। जकर्याह, लेखन भविष्यवक्ता, काफी बाद में।

ठीक है, तो यह है: एक विभाजित हृदय। मैं वही चाहता हूँ जो परमेश्वर चाहता है, और मैं वही चाहता हूँ जो मैं चाहता हूँ। परिणाम विनाश है।

इस समय उत्तरी राज्य कमज़ोर था, संभवतः येहू के वध के कारण। और इसलिए हजाएल दमिश्क से पलिशियों के गत पर कब्ज़ा करने के लिए आता है। जाहिर है, इस्राएल इतना मज़बूत नहीं था कि उसे अपने देश में घुसने और यहाँ आने से रोक सके।

और जब उसने गत से निपट लिया, तो वह वापस लौटा और कहा, मुझे विश्वास है कि मैं यरूशलेम को ले लूँगा। और इसलिए यहोशापात के पास जो कुछ भी था, मैं कहने की हिम्मत करता हूँ, जो गर्व से परमेश्वर और परमेश्वर के मंदिर को समर्पित था, उसे हजाएल को दे दिया गया ताकि वह उसे खरीद ले। एक विभाजित हृदय।

एक विभाजित हृदय। फिर हमारे पास संक्षिप्त सा प्रकरण है, ठीक है, मुझे कहना चाहिए, यह आपकी शीट पर है: वह हजाएल के साथ संघर्ष में घायल हो गया था। और जब वह घायल अवस्था में पड़ा था, तो उसके दुश्मन उसे खत्म कर देते हैं।

लेकिन एक बार फिर, एक बार फिर, तख्तापलट करने वाले जनरल ने खुद को सिंहासन पर नहीं बिठाया। उन्होंने योआश के बेटे को सिंहासन पर बिठाया - जो कि दाऊद से वादा था। आप यहूदियों के बारे में जो भी कहें, वह बात उनके डीएनए में बसी हुई थी।

यह हमारे लिए भी सच हो, कि हम दाऊद और यीशु के वंश को अलग-थलग या अलग-थलग या कमतर आंकने की अनुमति नहीं देंगे। जब तक हम सक्षम हैं, हम उस वादे को निभाएँगे। ठीक है, तो हम उत्तरी राज्य, इस्राएल के राजा यहोहाज के पास आते हैं।

योशियाह के समय में राजा। और एक बार फिर, हम पाते हैं कि किसी का दिल बंटा हुआ है। यह स्पष्ट है कि येहू और उसके बेटे यहोवा की उपासना करते थे।

इस बारे में कोई सवाल ही नहीं है। वे बाल पूजा के आगे नहीं झुकेंगे। और फिर भी, यह यहोवा का धर्म है जो मूर्तिपूजा से कलंकित है।

और इसलिए, हम अध्याय 13 की आयत 3 पढ़ते हैं। इसलिए, यहोवा का क्रोध इस्राएल के विरुद्ध भड़क उठा, और उसने उन्हें लंबे समय तक अराम के राजा हजाएल और उसके बेटे बेन-हदद के अधीन रखा। तब यहोहाज ने यहोवा का अनुग्रह मांगा।

वाह! और यहोवा ने उसकी बात सुनी, क्योंकि उसने देखा कि अराम का राजा इस्राएल पर कितना अत्याचार कर रहा था। यहोवा ने एक छुड़ानेवाला प्रदान किया, और वे अराम की शक्ति से बच निकले।

इसलिए, इस्राएली अपने घरों में वैसे ही रहते थे जैसे वे पहले रहते थे, लेकिन वे यारोबाम के घराने के पापों से दूर नहीं हुए। विभाजित हृदय। क्या परमेश्वर विभाजित हृदय वाले व्यक्ति की सुनेगा? हाँ, वह दयालु है, लेकिन इसकी कीमत चुकानी पड़ती है।

यहोहाज की सेना में 50 घुड़सवार, 10 रथ और 10,000 पैदल सैनिकों के अलावा कुछ भी नहीं बचा था, क्योंकि अराम के राजा ने बाकी को नष्ट कर दिया था और उन्हें खलिहान के समय की धूल की तरह बना दिया था। हम्म, हम्म। परमेश्वर दयालु है।

उसे आधा मौका दो, और वह हमें आशीर्वाद देगा। लेकिन हम इसे कवर के रूप में इस्तेमाल करने की हिम्मत नहीं करते। खैर, यह सब ठीक है।

सब ठीक है। भगवान मुझ पर कृपा करें। मैं ठीक हूँ।

मैं यहाँ सावधान रहना चाहता हूँ। लेकिन कितने, कितने प्रचारक उस जाल में फँस गए हैं? हाँ, मैं अपनी पत्नी के प्रति सच्चा नहीं हूँ। मैं अपने वादों, अपनी प्रतिज्ञाओं के प्रति सच्चा नहीं हूँ।

लेकिन हर बार जब मैं प्रचार करता हूँ, तो सैकड़ों लोग वेदी पर आते हैं। यह सब ठीक होना चाहिए। नहीं, नहीं, यह सब ठीक नहीं है।

परमेश्वर दयालु है। परमेश्वर क्रोध करने में धीमा है।

लेकिन सिर्फ़ इसलिए कि हम कुछ समय के लिए प्रभु की कृपा का आनंद ले रहे हैं, यह उस हृदय का प्रतिस्थापन नहीं है जो पूरी तरह से उसका है, पूरी तरह से उसका। तो, हम बात समझ गए। विभाजित हृदय के लिए एक कीमत चुकानी पड़ती है।

और यह एक ऐसी कीमत है जो बहुत ज़्यादा है।

आइए प्रार्थना करें। प्रभु यीशु, आपने हमें दिखाया है कि

पिता का पूर्ण रूप से होना क्या होता है, कहना क्या होता है, और पिता ने जो कहा है उसके अलावा कुछ नहीं करना होता।

धन्यवाद। हालाँकि हमारी भक्ति आपकी भक्ति जितनी नहीं हो सकती, लेकिन यह उतनी ही गुणवत्ता वाली हो सकती है। हम पूरी तरह से आपके हो सकते हैं, बिना किसी सीमा के, बिना किसी प्रतिद्वंद्वी के, पूरी तरह से आपके। हे प्रभु, हमारी मदद करें। हम खुद को धोखा देने में बहुत अच्छे हैं। दिखावा करने में, खेलने में बहुत अच्छे हैं।

आज रात हम यहाँ अपना दिल आपके सामने खोलते हैं और कहते हैं, हे प्रभु, क्या कोई दुष्ट चीज़ है? क्या कोई ऐसी चीज़ है जो हमें जकड़े हुए है जो हमें पल भर में उछलकर बच्चे को पकड़कर भागने से रोकती है? हे प्रभु, क्या कोई ऐसी चीज़ है जो वास्तविकता के लिए प्रतीक का विकल्प बन सकती है? हमारी मदद करें। दुनिया में किसी और के लिए जो सच है, क्या यह हमारे लिए भी सच हो सकता है कि हम 30 लोग आपके हैं? क्यों नहीं? आपके नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं।
आमीन।